समय २ घंटे **कुल अंक: ६०**

(कृपया जांचे कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है कि नहीं)

सूचना: १.सभी प्रश्न अनिवार्य |

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं |

प्रश्न १. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो के सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए | (२०)

क. "प्रमोद सच्ची-सच्ची कहूं तो मैं ही पराई हो गई हूं। तुम सब लोगों के लिए मैं पराई हूं। तेरी मां ने मुझे धक्का देकर पराया बना दिया है।"

ख. "मैं उस कम्बख्त को समझना तक नहीं चाहती," कहती हुई मानो वह तत्पर हो आयी, "वह पुरुष का शौक है। कब स्त्री पुरुष को समझ सकी है कि वह क्यों लड़ता है, मरता-मारता है, शिकार में और युद्ध में मजा लेता है?

ग. मानो दुनिया की बेहयाई ढकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफेद और ठंडा कफन का प्रबंध कर दिया था !

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर विस्तार में लिखो | (३०)

च. त्यागपत्र उपन्यास में चित्रित विविध सामाजिक समस्याओं की चर्चा कीजिए |

छ. 'मुक्तिबोध' उपन्यास में आए स्त्री पुरुष संबंधों को विश्लेषित कीजिए।

ज. अपना अपना भाग्य कहानी के मंतव्य को विस्तार से व्यक्त कीजिए |

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए | (१०)

१. त्यागपत्र उपन्यास की पात्र मृणाल पति के त्यागने के बाद किसकी रखैल बन जाती है?

२. त्यागपत्र उपन्यास की नायिका किस से प्रेम करती है?

३. त्यागपत्र उपन्यास की पात्र प्रमोद किस खबर से अस्वस्थ होकर मानसिक संघर्ष से पीडित होता है?

४. त्यागपत्र उपन्यास का पात्र प्रमोद उपन्यास के प्रारंभ में किस की समीक्षा को लेकर अपनी असमर्थता प्रकट करता है?

५. 'मुक्तिबोध' उपन्यास के लेखक कौन हैं?

६. मिस्टर सहाय की पत्नी का नाम क्या है?

७. नीलिमा किसकी प्रियसी है?

८. रुकिया बुढ़िया कहानी की मुख्य पात्र का क्या नाम है?

९. खोई हुई पाजेब अंत में किसके पास मिलती है?

१०. 'अपना -अपना भाग्य' कहानी में किस शहर का वर्णन है?

****

XSAGARDADMINY4CD559XSAGARDADMINY4CD559